हिन्दी विभाग

Programme Outcomes

एम. ए.

एम.ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य के आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विविध विचारधाराओं, परिस्थितियों, प्रवृत्तियों, कवियों तथा उनकी रचनाओं की जानकारी तथा सभी युगों के नामकरण, नामकरण का आधार, काल विभाजन से विधार्थियों को परिचित कराना।

प्रथम वर्ष एम. ए.प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के 'प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत आदिकालीन कवि चंदवरदाई तथा पूर्वमध्यकालीन(भक्तिकालीन) प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना और उस समय के साहित्य की भाषा और कला के सौन्दर्य को परखने तथा समाज और संस्कृति से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

एम. ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के 'नाटक और रंगमंच' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य चिन्तकों के आधार पर नाटक के प्राचीन एवं आधुनिक स्वरूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा हिन्दी के प्रसिद्ध नाटकों एवं एकांकियों से वाकिफ करना साथ ही रंगमंच एवं रंगमंच के विभिन्न प्रकार और उसमें हुए आधुनिक प्रयोग से विधार्थियों को परिचित करना।

एम. ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के 'प्रयोजनमूलक हिन्दी' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के विविध रूपों, कार्यालयी हिन्दी के औपचारिक लेखन के स्वरूप और अनुवाद के विविध रूप, प्रक्रिया एवं प्रविधि तथा उनके क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी देना साथ ही उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोजगार प्राप्त कर सकें।

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के 'उत्तर मध्यकालीन काव्य' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की रचनाओं के साथ-साथ इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं से अवगत कराना। विद्यार्थियों को श्रृंगारिकता और शास्त्रीयता के कारणों का बोध करना तथा जीवन के मधुर पक्ष को भी ठीक से समझाना।

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के 'कथा-साहित्य' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत हिन्दी की सर्वाधिक लोकप्रिय विधाओं कहानी एवं उपन्यास के इतिहास, स्वरूप, उनकी प्रमुख शैलियों और प्रतिनिधि उपन्यासकारों एवं कहानीकारों की जानकारी देना तथा पाठ्यक्रम की कहानियों एवं उपन्यासों के वस्तुगत एवं शिल्पगत विशिष्टताओं से अवगत कराना।

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विशिष्ट रचनाकार 'सूरदास' के अन्तर्गत कृष्णभक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि सूरदास के रचनाकर्म तथा रचनात्मक वैशिष्ट्य से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

एम.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के 'भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता की जानकारी तथा देवनागरी के

For Sunil

प्रो० सुनीता
हिन्दी विभाग
रघुनाथ गर्ल्स (पी०जी०) कॉलेज
मेरठ (उ०प्र०)

Scanned with OKEN Scanner

वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का ज्ञान देना तथा भाषा विज्ञान एवं उसके स्वरूप एवं अध्ययन की दिशाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

एम.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के 'आधुनिक काव्य' के अन्तर्गत विद्यार्थियों को आधुनिक काल की विविध धाराओं, कवियों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना तथा आधुनिक काव्य की संवेदना, ज्ञान एवं शिल्प से उन्हें परिचित कराना।

एम.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के 'काव्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को काव्यशास्त्र के महत्त्व, उसके स्वरूप का ज्ञान और भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों एवं विद्वानों से परिचित कराना ताकि वे साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविकता के पारखी बन सकें।

एम.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के 'पत्रकारिता प्रशिक्षण' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत तिद्यार्थियों पत्रकारिता के इतिहास, स्वरूप, विभिन्न प्रकार, सम्पादन कला के सिद्धांत, पत्रकारिता के औपचारिक लेखन के स्वरूप और समाचार संकलन तकनीक एवं उपकरणों से अवगत कराना तथा इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को इस हेतु तैयार करना।

एम.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के 'प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को लेखन-कौशल और अभिव्यक्तिकरण से परिचित कराना तथा मौखिकी के द्वारा उनके अन्तःकरण के झिझक, भय एवं घबराहट को दूर कर भविष्य में साक्षात्कार के योग्य बनाना ताकि वे कुशलतापूर्वक अपने विचारों को व्यक्त कर सकें।

एम.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के 'छायावादोत्तर काव्य' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को छायावादोत्तर विभिन्न विचारधाराओं एवं प्रवृत्तियों, पाठ्यक्रम के कवियों, उनकी रचनाओं और विशेषताओं से अवगत कराना।

एम.ए.द्वि तीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के 'हिन्दी आलोचना' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को आलोचना का अर्थ, स्वरूप एवं विकास का ज्ञान देना औरपाठ्यक्रम के आलोचकों की साहित्यिक मान्यताओं एवं साहित्यिक मानदंडों से परिचित कराना।

एम.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के 'भारतीय साहित्य' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य की परिधि, विशेषता, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता एवं उसमें वर्णित भारतीय संस्कृति से विद्यार्थियों का साक्षात्कार कराना तथा हिन्दी के अतिरिक्त अन्य भाषा के साहित्यकारों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

प्रो० सुनीता
हिन्दी विभाग
रघुनाथ गर्ल्स (पी०जी०) कॉलेज
मेरठ (उ०प्र०)

Scanned with OKEN Scanner